राज कुमार मौर्य
असिस्टेन्ट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग
श्री गदाधर आचार्य जनता कालेज,
रामबाग, बिहटा, पटना
B. A. I Year (H.) Paper - II

विषय - रूसी राष्ट्रपति (President of the Russia)

1991 के बाद बने रूसी संघ में दोहरी कार्यपालिका का प्रावधान किया गया है

I — राष्ट्रपति

II — प्रधानमन्त्री, उपप्रधानमन्त्री एवं संघीय मन्त्री

इस दोहरी कार्यपालिका की व्यवस्था में राष्ट्रपति वास्तविक शक्ति का केन्द्र है। रूसी संविधान में रूसी राष्ट्रपति को रूसी संघ का राज्याध्यक्ष स्वीकार किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 80 - 93 तक रूसी राष्ट्रपति के निर्वाचन, महाभियोग, शक्तियाँ, समयावधि का उल्लेख है।

रूसी राष्ट्रपति के निर्वाचन की प्रक्रिया का विस्तृत उल्लेख 1995 में ड्यूमा द्वारा स्वीकृत « रूसी संघ के राष्ट्रपति

Scanned with CamScanner

के निर्वाचन का संघीय कानून" के द्वारा मिलता है।
अनुच्छेद 81 के अनुसार रूस का नागरिक जो
35 वर्ष की आयु से कम न हो तथा वह 10 तक
रूस में निवास किया हो, तो वह राष्ट्रपति पद के
लिए योग्य है। रूस के राष्ट्रपति की कार्यावधि
4 वर्ष है। यदि रूसी राष्ट्रपति ~~अपने~~ अस्थायी
तौर पर अपने कार्यों के निर्वाह में असमर्थ हो
तो, उस स्थिति में राष्ट्रपति के कार्यों का निर्वाह
रूसी प्रधानमन्त्री के द्वारा किया जाता है।
यदि राष्ट्रपति त्यागपत्र दे देता है या राष्ट्रपति
को महाभियोग के द्वारा पद से हटा दिया जाता
है तो ऐसी स्थिति में तीन माह के भीतर
चुनाव कराया जाता है।

Scanned with CamScanner

रूस का राष्ट्रपति रूस की आन्तरिक और बाह्य नीतियों का संचालक होता है। रूसी राष्ट्रपति सरकार के विभिन्न अंगो के मध्य समन्वय स्थापित करता है।

राष्ट्रपति रूस का सर्वोच्च कार्यकारी अधिकारी है। वह रूसी संघ और इसके ईकाइयों के मध्य समन्वय स्थापित करता है। वह ~~देश~~ रूस के विभिन्न उच्च पदों पर अधिकारियों की नियुक्ति करता है। एवं उन्हे पदमुक्त भी करता है। राष्ट्रपति के द्वारा प्रधानमन्त्री की नियुक्ति की जाती है, किन्तु उसे ऐसा करने के लिए ड्यूमा की सहमति लेनी पड़ती है। इसके साथ ही साथ वह अन्य मन्त्रियों की भी नियुक्ति भी करता है। राष्ट्रपति के द्वारा मन्त्रीपरिषद के बैठकों की भी अध्यक्षता की जाती है। वह विदेशों में रूसी राजदूतों की नियुक्ति करता है।

Scanned with CamScanner

रूसी संघीय सभा या संसद के द्वारा पारित कोई भी विधेयक तभी कानून बन सकता है जब उस विधेयक पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर हो जाय राष्ट्रपति को इन विधेयकों पर वीटो करने का भी अधिकार है। रूस के राष्ट्रपति के पास संविधान-संशोधन प्रस्ताव लाने की भी शक्ति है। यदि राष्ट्रपति चाहे तो संसद के दोनों सदनों को संयुक्त रूप से ~~सत्र~~ प्रतिवर्ष रूस के आन्तरिक मामलों एवं विदेशी मामलों पर अपना सन्देश प्रस्तुत कर सकते हैं।

राष्ट्रपति प्रतिवर्ष बजट तैयार करा कर ड्यूमा में प्रस्तुत करवाते हैं। वह रूसी संसद द्वारा प्रस्तुत या पारित किसी भी वित्त विधेयक पर वीटो कर सकते हैं। रूसी राष्ट्रपति केन्द्रीय बैंक (रूस के) अध्यक्ष की नियुक्ति एवं पदमुक्ति का अधिकार रखते हैं।

Scanned with CamScanner

रूसी सेना का सर्वोच्च सेनापति या कमाण्डर-इन-चीफ राष्ट्रपति होते हैं। उसके द्वारा रूस की सैन्य नीतियों का निर्माण करवाया जाता है। वह रूसी संघ के किसी भी इकाईयां सम्पूर्ण रूस में मार्शल लॉ लागू करवा सकते हैं।

भारतीय राष्ट्रपति के समान ही रूसी राष्ट्रपति को क्षमादान की शक्ति प्राप्त है। इसके साथ ही साथ उन्हे संवैधानिक ~~न्यायालयों~~ न्यायालय के न्यायाधीश, उच्चतम न्यायालय, उच्चतम मध्यस्थता न्यायालय के न्यायाधीशो, तथा संघीय न्यायालयों के न्यायाधीशों एवं रूस के महान्यायवादी की नियुक्ति हेतु रूसी संघीय परिषद को नाम प्रस्तावित करता है। रूसी राष्ट्रपति इकाईयों के द्वारा बनाए गये किसी भी कानून को रद्द करने का अधिकार रखता है। रूसी राष्ट्रपति रूसी संघ के इकाइयों के मध्य एवं केन्द्र व इकाइयों के मध्य उत्पन्न होने वाले विवादों का भी निपटारा करने का कार्य करता है।

Scanned with CamScanner

रूसी राष्ट्रपति को डिक्री जारी करने का भी अधिकार है। वह रूसी गणराज्य के सर्वोच्च सम्मानों को प्रदान करता है। वह रूसी नागरिकता सम्बन्धी विषय की व्याख्या करने का अधिकार रखता है। रूस की क्षेत्रीय सम्प्रभुता, अखण्डता एवं स्वतन्त्रता को सुरक्षित रखने का कार्य रूसी राष्ट्रपति के द्वारा किया जाता है। रूस के संविधान द्वारा राष्ट्रपति को रूसी नागरिकों के अधिकारों एवं स्वतन्त्रताओं का गारण्टर माना गया है।

इस प्रकार यदि हम रूसी राष्ट्रपति के अधिकार एवं ~~शक्ति कर्तव्यों का~~ कर्तव्यों को दृष्टिगत करते हुए उसकी तुलना भारतीय और अमेरिकी राष्ट्रपति से करें तो रूसी राष्ट्रपति इन दोनों की अपेक्षा कहीं अधिक शक्तिशाली है।

Scanned with CamScanner